संस्कृतं वदतु (संस्कृत बोलिये)

नमस्ते/नमस्कारः।	नमस्ते/नमस्कार।
प्रणामः।	प्रणाम।
धन्यवादः।	धन्यवाद।
स्वागतम्।	स्वागत।
क्षम्यताम्।	क्षमा कीजिए।
चिन्ता मास्तु।	कोई बात नहीं/जाने दो।
कृपया।	कृपया।
पुनः मिलामः।	फिर मिलेंगे।
अस्तु।	ठीक है। जी हाँ। जी।
श्रीमन्/मान्यवर।	श्रीमान्/मान्यवर।
मान्ये।	श्रीमती जी।
उत्तमम्/शोभनम्।	अच्छा।
बहु उत्तमम्।	बहुत अच्छा।
भवतः नाम किम्?	आपका नाम क्या है? (पु॰)
भवत्याः नाम किम्?	आपका नाम क्या है? (स्त्री॰)
मम नाम '....'।	मेरा नाम '..........'।

एषः मम मित्रं '......'।	यह मेरा मित्र '...........'।
एषाः मम सखी '......'।	यह मेरी सखी '...........'।
भवान्/भवती कस्यां कक्षायां पठति	तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?
अहं प ञ्चम-कक्षायां पठामि।	मैं पाँचवी कक्षा में पढ़ता हूँ।
भवतः ग्रामः/भवान् कुत्रत्यः?	आप कहाँ के रहने वाले हैं?
अहं भोयर ग्रामस्य निवासी अस्मि।	मैं भोयर ग्राम का निवासी हूँ।
कुतः आगच्छति?	आप कहाँ से आ रहे हैं।?
विद्यालयतः / गृहतः / ....तः] आगच्छामि	स्कूल से / घर से / से।] आ रहा/रही हूँ।
कुत्र गच्छति?	आप कहाँ जा रहे हैं?
देवालयं गच्छामि।	मन्दिर जा रहा हूँ।
(कार्यालयम्) गच्छामि।	(कार्यालय) जा रहा हूँ।
स्वल्पम्।	जरा-सा/थोड़ा-बहुतः।
अहं न जानामि।	मैं नहीं जानता हूँ।

किमर्थं न भवति?	क्यों नहीं होता हैं?
अथ किम्?	और क्या?
नैव खलु।	नहीं तो।
आगच्छतु।	आइये/पधारिये।
उपविशतु।	बैठिये।
ज्ञातम्?	समझे?
कथम् आसीत्?	कैसा था/रहा?
कार्यक्रमः कदा?	कार्यक्रम कब है?
अद्य एव किम्?	क्या सिर्फ आज है?
अद्य न श्वः।	आज नहीं कल (आनेवाला)।
तद् ह्यःएव समाप्तम्।	वह कल (बीता हुआ) ही समाप्त हुआ।
इदानीम् एव?	अभी?
आम्, इदानीम्।	हाँ, अभी।
प्राप्तं किम्?	मिला क्या?
कस्मिन् समये?	कितने बजे?
'पञ्चवादने।	पाँच बजे।
आवश्यकं न आसीत्।	नहीं चाहिये था।

महान् आनन्दः।	बहुत अच्छा।
प्रयत्नं करोमि।	कोशिश करूँगा/करूँगी।
न शक्यते भोः।	नहीं हो सकता।
तथा न वदतु।	ऐसा मत कहिये।
कदा ददाति?	कब दोगे?
अहं किं करोमि?	मैं क्या करूँ?
कति जनाः सन्ति?	कितने लोग हैं?
पुनः आगच्छतु।	फिर से आइये।
अवश्यम् आगच्छामि।	जरूर आऊगा।
भवान् कथम् अस्ति?	आप कैसे हैं?
गृहे सर्वं कुशलम्।	जी हाँ, सब कुशल है।
भवतः का वार्ता?	आप का क्या समाचार है?
भवान् एव श्रावयतु।	आप ही सुनाइये।
किं मेलनं/बहु विरलं जातम्?	क्या बात है? मिलते कम हैं?
आगच्छतु, उपविशतु।	आइये, बैठिये।
जलम् आनयामि?	पानी लाऊँ?

मास्तु/नैव।	नहीं।
कथम् आगमनम् अभवत्?	कैसे आना हुआ?
मार्गः विस्मृतः किम्?	रास्ता भूल गये क्या?
चायं पिबति किम्?	चाय पियेगें, क्या?
नैव, इदानीमेव पीत्वा आगच्छामि।	नहीं, इस समय पीकर आ रहा हूँ?
शैत्यम् अस्ति, स्वल्पं चायं भवेत्।	ठण्डक है, थोड़ी सी चाय चलेगी।
भवतु नाम।	ठीक है।
इदानीं मया गन्तव्यम।	इस समय मुझे जाना है।
तिष्ठतु, भोजनं कृत्वा गच्छतु।	रुकिये, भोजन करके जाइये।
न, इदानीं भाजेनं न करोमि।	नहीं, इस समय भोजन नहीं करूंगा।
भोजनस्य समयः अस्ति खलु।	नहीं, भोजन का समय है।
	नहीं, फिर कभी खायेगें।
पुनः कदा मेलिष्यामः?	फिर कब मिलेगें?

महान् आनन्दः।	बहुत अच्छा।
प्रयत्नं करोमि।	कोशिश करूँगा/करूँगी।
न शक्यते भोः।	नहीं हो सकता।
तथा न वदतु।	ऐसा मत कहिये।
कदा ददाति?	कब दोगे?
अहं किं करोमि?	मैं क्या करूँ?
कति जनाः सन्ति?	कितने लोग हैं?
पुनः आगच्छतु।	फिर से आइये।
अवश्यम् आगच्छामि।	जरूर आऊगा।
भवान् कथम् अस्ति?	आप कैसे हैं?
गृहे सर्वं कुशलम्।	जी हाँ, सब कुशल है।
भवतः का वार्ता?	आप का क्या समाचार है?
भवान् एव श्रावयतु।	आप ही सुनाइये।
किं मेलनं/बहु विरलं जातम्?	क्या बात है? मिलते कम हैं?
आगच्छतु, उपविशतु।	आइये, बैठिये।
जलम् आनयामि?	पानी लाऊँ?

मास्तु/नैव।	नहीं।
कथम् आगमनम् अभवत्?	कैसे आना हुआ?
मार्गः विस्मृतः किम्?	रास्ता भूल गये क्या?
चायं पिबति किम्?	चाय पियेगें, क्या?
नैव, इदानीमेव पीत्वा आगच्छामि।	नहीं, इस समय पीकर आ रहा हूँ?
शैत्यम् अस्ति, स्वल्पं चायं भवेत्।	ठण्डक है, थोड़ी सी चाय चलेगी।
भवतु नाम।	ठीक है।
इदानीं मया गन्तव्यम।	इस समय मुझे जाना है।
तिष्ठतु, भोजनं कृत्वा गच्छतु।	रुकिये, भोजन करके जाइये।
न, इदानीं भाजेनं न करोमि।	नहीं, इस समय भोजन नहीं करूंगा।
भोजनस्य समयः अस्ति खलु।	नहीं, भोजन का समय है। नहीं, फिर कभी खायेगें।
पुनः कदा मेलिष्यामः?	फिर कब मिलेगें?

भवान् किं करोति?	आप क्या करते हैं?
अहं 'शिक्षकः' अस्मि।	मैं आचार्य हूँ।
अहं तु 'यन्त्रागारे' कार्यं करोमि।	मैं तो कारखाने में काम करता हूँ।
कार्यालये = कार्यालय में	न्यायालये = कचहरी में
वित्तकोषे = बैंक में	आपणे = दुकान में
कृपया पुस्तकं ददातु।	कृपया पुस्तकी दीजिये।
राकेशः असित किम्?	क्या राकेश जी हैं?
मम वचनं श्रृणोतु।	मेरी बात सुनिये।
भवतः का हानिः?	आपका क्या बिगड़ा?
किमर्थम् एतावान् विलम्बः?	क्यों इतनी देर हुई?
किमपि न भवति।	कुछ नहीं होगा।
स्वीकरोतु।	लीजिए।
भोजनं सिद्धम्।	भोजन तैयार है।
परिवेषयतु।	परोसिये।
पर्याप्तम्।	बस।
स्वल्पं ददातु।	थोड़ा-सा दीजिये।

रोटिका/करपट्टिका = रोटि	**शाकम्** = सब्जी
सूपः = दाल	**लवणम्** = नमक
ओदनम् = भात	**मरिचः** = मिर्च
दुग्धम् = दूध	**दधि** = दही
पायसम् = खीर	**मिष्टान्नम्** = मिठाई

भोजनं बहु स्वादिष्टम् अस्ति। भोजन बहुत ही स्वादिष्ट है।

स्वास्थ्यं कथम् अस्ति? स्वास्थ्य कैसा है?

समीचीनं नास्ति। ठीक नहीं है।

किम् अभवत्? क्या हुआ?

ज्वरः, कासः, शिरोवेदना च। बुखार, खाँसी और सिरदर्द।

वैद्यं दर्शयतु। डॉक्टर को दिखायें।

औषधं स्वीकृतवान्। दवाई ली है।

तत्र सम्यक् पश्यतु। वहाँ ठीक से देखिए।

सा किं पृच्छति? वह क्या पूछ रही है?

अहं भवन्तं न त्यजामि। मैं आपको नहीं छोडूँगा।

फलं तु खादतु। फल तो खाइये।

तिष्ठतु, इदानीमेव ददामि। ठहरिये, मैं अभी देता हूँ।

अहं तं प्रेषयिष्यामि। मैं उसे भेज दूँगा।

माता वस्त्रं प्रक्षालयति। माता कपड़ा धो रही है।

भवान् प्रातः कदा उत्तिष्ठति? आप सवेरे कब उठते हैं?

भवतः नाम न स्मरामि। आपका नाम मुझे याद नहीं आ रहा है।

किञ्चित् कालं स्यूतं गृह्णातु। जरा थैला पकड़िए।

किमर्थं भवती रोदिति? आप क्यों रो रही हैं?

सः मिष्टान्नं बहु इच्छति। उसे मिठाई बहुत अच्छी लगती है।

सा तद् कार्यं कर्तुं न शक्नोति। वह उस काम को नहीं कर सकती है

अतिथिः आगतवान्। अतिथि आ गये।

पितरम् आह्वयतु। पिताजी को बुलाइये।

किं कर्तुं शक्यते? क्या किया जा सकता है?

कुत्रापि न दृश्यते खलु। कहीं भी नहीं दिखाई पड़ रहा है।

किम् अहम् अन्तः आगन्तुं शक्नोमि? क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ?

तद् किम् इति अहं ज्ञातुम् इच्छामि। वह क्या है? मैं जानना चाहता हूँ।

कृपया लेखितुं प्रयत्नं करोतु।	कृपया लिखने का प्रयत्न कीजिए।
तत्र गत्वा आगच्छतु।	वहाँ जाकर आइये।
अहं स्कूटर्यानेन गमिष्यामि।	मैं स्कूटर से जाऊँगा।
आचार्यं दृष्ट्वा चर्चां करोतु।	आचार्य से मिलकर बात कीजिए।
पृष्ट्वा वदामि।	पूछकर कहूँगा।
तद् श्रुत्वा बहु दुःखम् अभवत्।	वह सुनकर मुझे बहुत दुःख हुआ।
स्नानं कृत्वा एव भोजनं करोमि।	स्नान करके ही भोजन करूँगा।
भवती वार्तां श्रुतवती किम्?	आपने समाचार सुना क्या?
अहं ज्ञातवान् यत् भवान् आगच्छति।	मुझे मालूम हुआ कि आप रहे हैं।
कः दत्तवान्?	किसने दिया?
भवान् तु जानाति स्म।	आप तो जानते थे।
सर्वे प्रश्नं पृच्छन्ति स्म।	सभी प्रश्न पूछ रहे थे।
भवान् तु उक्तवान् यत्	आप ने कहा था कि वह

तद् भवतः समीपे नास्ति।	आप के पास नहीं है।
पूर्वमेव आगन्तव्यम् आसीत्।	पहले ही आना चाहिये था।
मया न दातव्यम् आसीत्।	मुझे नहीं देना चाहिए था।
सुन्दरं करणीयम् आसीत्।	अच्छा करना चाहिए था।
यदि इच्छति तर्हि स्वीकरोतु।	यदि आप चाहते हैं तो लीलिए।
यदि समयः अस्ति तर्हि कृपया आगच्छतु मया सह।	यदि आप के पास समय है तो मेरे साथ आइए।
यथा भवान् आदिशति तथा करोमि।	आप जैसा आदेश करेंगे मैं वैसा ही करूँगा।
पश्यामि, किं साध्यम् इति।	देखता हूँ, क्या हो सकता है।
यदा सः आगमिष्यति तदा सूचयिष्यामि।	वह जब आयेगा तब मैं सूचित करूँगा।

शाटिका = साड़ी

चोलः = ब्लाउज

युतकम् = कमीज

धौतवस्त्रम् = धोती

ऊरुकम् = पैंट

करवस्त्रम् = करवस्त्र

गलबन्धः = गलबन्धः

राङ्कवम् = शाल

ऊर्णिका = मफलर

पादकोशः = मौजा

पादत्राणम् = जूता

पादरक्षा = चप्पल

कूर्चः = ब्रश

दन्तकूर्चः = टूथ-ब्रश

दन्तफेनः = टूथ-पेस्ट

दर्पणः = शीशा

कङ्कतिका = कंघी

क्षुरपत्रम् = ब्लेड (पत्ती)

स्थालिका = थाली

चमसः = चमम्च

आसन्दः = कुर्सी

तण्डुलः = चावल

गोधूमः = गेहूँ

यवः = जौ

चणकः = चना

मुदगः = मूंग

समीता = आटा

सर्षपः = सरसों

तिलः तिल

तैलम = तेल

फेनकम् = साबुन गोल = बल्ब

स्नानफेनकम् = नहाने का साबुन दण्डदीपः = ट्यूबलाइट

वस्त्रफेनकम् = कपड़ाधोनेकासाबुन व्यजनम् = पंखा

पुस्तिका = अभ्यास-पुस्तिका (कापी) पिञ्जः = स्विच

कागदम् = कागज लेखनी = कलम

अङ्कनी = पेन्सिल पुनःपूरणी = रिफिल

शिरस्त्रम् = टोपी आढकी = अरहर

पिता/जनकः = पिता माता/जननी = माता

अग्रजः = बड़े भाई अनुजः छोटा भाई

अग्रजा = बड़ी बहन अनुजा = छोटी बहन

मातुलः = मामा मातुलानी = मामी

पितृव्यः = चाचा स्नुषा = बहू

श्वशुरः = श्वसुर श्वश्रूः = सास

देवरः = देवर श्यालः = साला

पञ्चाधिकत्रिवादनम्

त्रिवादनम्

दशाधिकत्रिवादनम्

सपादचतुर्वादनम्

पञ्चोनत्रिवादनम्

सार्धचतुर्वादनम्

चत्वारिंशद्-अधिकत्रिवादनम्
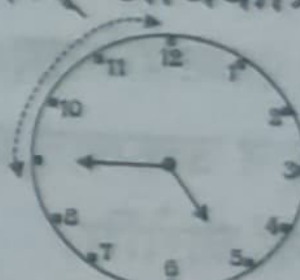
पादोनपञ्चवादनम्

सः सम्भवतः रेलयानेन आगमिष्यति।	सम्भवतः वह रेल से आएगा।
भवान् तेन सह आगच्छतु।	आप उसके साथ आइए।
भवता/भवत्या विना कार्य न भवति।	आपके बिना काम नहीं होगा।
अहं न आगतवती यतः मम स्वास्थ्यम् उत्तमं न आसीत्।	मैं नहीं आ सकी क्योंकि स्वास्थ्य ठीक नहीं था।
कः समयः?	क्या बजा है?
कस्मिन् समये गन्तव्यम्?	कब जाना है?
समये आगच्छतु।	ठीक समय पर आना।
रविवासरे कः दिनाङ्कः?	रविवार को क्या क्या तारीख होगी?
प ञ्चदशदिनाङ्के कः वासरः?	पंद्रहवीं तारीख को कौन-सा दिन होगा?
षड्तः अष्टपर्यन्तम्।	छः से आठ तक।
भवान् न उक्तवान् एव।	आपने तो कहा ही नहीं।
अहं किं करोमि?	मैं क्या करूँ?
यथा भवान् इच्छति तथा।	जैसा आप चाहते हैं वैसा।

भवतु, चिन्तां न करोतु।	ठीक है, चिनता मत कीजिये।
तेन किमपि न सिध्यति।	उससे कुछ नहीं होता।
सः सर्वधा अप्रयोजकः।	वह तो नालायक है।
पुनरपि एकवारं प्रयत्नं कुर्मः।	फिर एक बार कोशिश करेंगे।
मौनमेव उचितम्	चुप रहना अच्छा है।
तद्विषये अहं किममपि न वदामि।	उसके बारे में कुछ नहीं कहूँगा।
विचिन्त्य एव वक्तव्यम्।	सोच कर ही बोलना चाहिये।
तर्हि समीचीनम्।	तब तो ठीक है।
एवं चेत् कथम्।	ऐसा हो तो कैसा?
मां किञ्चित् स्मारयतु।	मुझे जरा याद दिलाना।
तम् अहं सम्यक् जानामि।	उसे मैं अच्छी तरह जानता हूँ।
तदानीमेव अहं उक्तवान् खलु?	तभी मैंने कह दिया था न?
कदा उक्तवान् भोः?	कब कहा?
यत्किमपि भवतु।	चाहे कुछ भी हो।

सः बहु समीचीनः।	वह बहुत अच्छा है।
सः बहु क्रियाशीलः।	वह बड़ा जंगली/रूखा है।
तद्विषये चिन्ता मास्तु।	उसके बारे में चिंता न कीजिये।
तथैव इति न नियमः।	नियम नहीं कि ऐसा ही हो।
कर्तुं शक्यं, किञ्चित् समयः अपेक्ष्यते।	कर सकते हैं पर समय चाहिये।
एतावत् तु कृतवान्।	इतना तो किया।
द्रष्टुम् एव न शक्यते।	देख ही नहीं सकते।
तत्रैव कुत्रापि स्यात्।	वहीं कहीं होगा।
यथार्थं वदामि।	सच कहता हूँ।
एवं भवितुम् अर्हति।	ऐसा हो सकता है।
कदाचित् एवमपि स्यात्	कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है।
किम् अहं तावदपि न जानामि?	क्या मैं इतना भी नहीं जानता?
कः इच्छति	कौन नहीं चाहता?
तत्र गत्वा किं करोति?	वहाँ जाकर क्या करते हैं?

पुनः आगच्छन्तु।	फिर से आइये।
मम कोऽपि क्लेशः नास्ति।	मुझे कोई कष्ट नहीं।
एतत् कष्टकरं न।	यह कठिन नहीं है।
भोः, किम् आनीतवान्?	क्या लाए हैं?
भवन्तं कः उक्तवान्?	आप को किसने कहा?
किञ्चिदनन्तरम् आगच्छेत्।	कुछ देर से आएगा।
प्रायः तथा न स्यात्।	प्रायः वैसा नहीं होगा।
चिन्ता मास्तु, श्वः ददातु।	कोई बात नहीं, कल दीजिये।
अहं पुनः सूचयामि।	मैं फिर से बताऊँगा।
अद्य आसीत् किम्?	आज था क्या?
अवश्यम् आगच्छामि।	जरूर आऊँगा।
किं नागराजः असित?	क्या नागराज है?
किमर्थम् एवं जातम्?	ऐसा क्यों हुआ?
किं तत्र आसीत्?	वहाँ क्या था?
किमपि उक्तवान् किम्?	क्या कुछ कहा?
कुतः आनीतवान्?	कहाँ से लाये?
अन्यत् किमपि कार्यं नास्ति।	कोई और काम नहीं है।

मम वचनं शृणोतु।	मेरी बात सुनिए।
एतत् सत्यं खलु?	यह तो सच है न?
तद् अहम् अपि जानामि।	वह मैं भी जानता हूँ।
तावद् आवश्यकं न।	उतना जरूरी नहीं।
किमर्थम् एतावान् विलम्बः?	इतनी देर क्यों हुई?
यथेष्टम् अस्ति।	पर्याप्त / काफी है।
भवतः अभिप्रायः कः?	आपका मतलब क्या है?
तस्य किं कारणम्?	उसका क्या कारण है?
स्वयमेव करोति किम्?	खुद करोगे क्या?
तत् मह्यं न रोचते।	मुझे वह पसंद नहीं है।
उक्तम् एव वदति सः।	वहीं रटता रहता है।
अन्यथा बहु कष्टम्।	अन्यथा बहुत कष्ट होगा।
किमर्थं पूर्वं न उक्तवान्?	पहले क्यों नहीं कहा?
स्पष्टं न जानामि।	मैं ठीक से नहीं जानता।
निश्चयः नास्ति।	निश्चित नहीं है।
भवान् कुत्र आसीत्।	आप कहाँ थे।

भीतिः मास्तु।	डरो मत।
एतद् भोजनस्य अनन्तरं कुर्मः।	इसे भोजन के बाद करेंगे।
भयस्य कारणं नास्ति।	डरने का कारण नहीं है।
तदहं बहु इच्छामि।	मैं वह बहुत चाहता हूँ।
कियत् लज्जास्पदम्?	कितना लज्जास्पद है?
भवतः का हानिः?	आपने क्या खोया?
एषः मम दोषः न।	यह मेरा दोष नहीं है।
मम तु आक्षेपः नास्ति।	मेरा तो आक्षेप नहीं है।
सः शीघ्रकोपी।	वह तुनक मिजाज है।
गम्भीरः मा भवतु।	ऐसे गम्भीर मत होइए।
आगतः एषः वराकः।	आ धमका।
युक्ते समये आगतवान्।	ठीक समय पर आ गए।
बहु जल्पति भोः।	वह बड़ा बक-बक करता है।
एषा केवलं किंवदन्ती।	यह तो उड़ती खबर है।
किमपि न भविष्यति।	कुछ नहीं होगा।
एवमेवल आगतवान्।	ऐसे ही आया।
विना कारणं किमर्थं गन्तव्यम्?	बेकार में क्यों जायें।

भवतः वचनं सत्यम्।	आप की बात सही है।
कः मम वचनं शृणोति?	कौन मेरी बात सुनता है?
तदा किमपि न स्फुरितम्।	उस समय कुछ सूझा ही नहीं।
किमर्थं तावती चिन्ता?	क्यों इतनी चिनता करते हैं?
भवतः किं कष्टम् असित?	आप को क्या कष्ट है?
अहं संस्कृतं किञ्चित् जानामि।	मैं संस्कृत थोड़ी जानता हूँ।
अहं संस्कृतेन सम्भाषणं करोमि।	मैं संस्कृत में वार्तालाप करता हूँ।
सम्भाषणेन भाषाभ्यासः शीघ्रं भवति।	सम्भाषण से भाषा का अभ्यास शीघ्र होता है।
संस्कृतं भारतस्य संस्कृतिकभाषा।	संसकृत भारत की सांस्कृतिक भाषा है।
संस्कृतभाषा जाति-मत-प्रदेशभेदेन विना सर्वेषां भाषा।	संस्कृत भाषा जाति-मत-प्रदेश के बिना सबकी भाषा है।

संस्कृतं सामाजिक-
समरसतायाः साधनम्।
संस्कृतं संस्कृतमाध्यमेन
पाठनीयम्।
संस्कृतभाषा पुनरपि
व्यवहारभाषा जाता।

संस्कृत सामाजिक समरसता
का साधन है।
संस्कृत के माध्यम
से ही पढ़ानी चाहिए।
संस्कृत भाषा फिर से
व्यवहारभाषा हो गयी।

शुभाशयाः (शुभकामनाएँ)

नववर्षस्य शुभाशयाः।	नये वर्ष की शुभकामनाएँ।
नववर्ष नवोत्साहं ददातु।	नया वर्ष नया उत्साह प्रदान करे।
नववर्ष नवहर्षम् आनयतु।	नया वर्ष नवीन हर्ष लाए।
युगादि शुभाशयाः।	युगादि शुभकामनाएँ।
दीपावली-शुभाशयाः।	दीपावलरी शुभकामनाएँ।
वैवाहिकजीवनं शुभमयं भवतु।	वैवाहिक जीवन शुभकारी हो।
सफलतायै अभिनन्दनम्।	सफलता के लिए बधाईयाँ।
कार्यक्रमः यशस्वी भवतु।	कार्यक्रम यशस्वी हो।
शतं जीवन शरदो वर्धमानः।	सौ साल जीयो।
जनमदिनसय शुभाशयाः।	जन्मदिन की बधााई।
शिवाः ते पन्थानः सन्तु।	आपकी यात्रा मंगलमय हो।
अहं संस्कृतं स्वल्पं जानामि।	मैं संस्कृत थोड़ा जानता हूँ।